



# Haryana Government Gazette

## EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 113-2017/Ext.]CHANDIGARH, FRIDAY, JUNE 30, 2017 (ASADHA 8, 1939 SAKA)

हरियाणा सरकार

आबकारी तथा कराधान विभाग

अधिसूचना

दिनांक 30 जून, 2017

**संख्या 48/एसटी-2** -- हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19), की धारा 9 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, इसके द्वारा, अधिसूचित करते हैं कि नीचे दी गई सारणी के खाना (2) में वर्णित सेवाओं की प्रदाय के प्रवर्गों पर, जिनकी प्रदाय उक्त सारणी के खाना (3) में यथाविनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा की गई है, उक्त अधिनियम की धारा 9 के अधीन उद्ग्रहणीय संपूर्ण केंद्रीय कर का भुगतान, उक्त सारणी के खाना (4) में यथाविनिर्दिष्ट ऐसी सेवाओं के प्रापक द्वारा प्रतिलोम प्रभार आधार पर किया जाएगा, अर्थात:-

सारणी

क्रम संख्या	सेवाओं की पूर्ति के प्रवर्ग	सेवा का पूर्तिकार	सेवा का प्राप्तिकर्ता
(1)	(2)	(3)	(4)
1	किसी माल परिवहन अभिकरण (जीटीए) द्वारा माल के सड़क द्वारा	माल परिवहन	कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित,--

<p>निम्नलिखित को परिवहन की बाबत सेवाओं की पूर्ति -</p> <p>(क) कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) के अधीन या उसके द्वारा किसी भी कारखाने को ; या</p> <p>(ख) भारत के किसी भाग में सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी भी सोसाइटी को ; या</p> <p>(ग) किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित किसी भी सहकारी सोसाइटी को ; या</p> <p>(घ) केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम/ एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम/ राज्य माल और सेवा कर अधिनियम/ संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी भी व्यक्ति को ; या</p> <p>(ङ.) किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित किसी भी निगमित निकाय को ; या</p> <p>(च) किसी विधि के अधीन किसी भी भागीदारी फर्म को, चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं, जिसके अंतर्गत व्यक्तियों का संगम भी है ; या</p> <p>(छ) कोई आकस्मिक कराधेय व्यक्ति ।</p>	<p>अभिकरण (जीटीए)</p>	<p>(क) कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) के अधीन या उसके द्वारा किसी भी कारखाने को ; या</p> <p>(ख) भारत के किसी भाग में सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी भी सोसाइटी को ; या</p> <p>(ग) किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित किसी भी सहकारी सोसाइटी को ; या</p> <p>(घ) केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम/ एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम/ राज्य माल और सेवा कर अधिनियम/ संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी भी व्यक्ति को ; या</p> <p>(ङ.) किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित किसी भी निगमित निकाय को ; या</p> <p>(च) किसी विधि के अधीन किसी भी भागीदारी फर्म को, चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं, जिसके अंतर्गत व्यक्तियों का संगम भी है ; या</p> <p>(छ) कोई आकस्मिक कराधेय व्यक्ति।</p>
--	---------------------------	--

2	<p>किसी व्यष्टिक अधिवक्ता, जिसके अंतर्गत कोई वरिष्ठ अधिवक्ता भी है द्वारा किसी कराधेय राज्यक्षेत्र, जिसके अंतर्गत वह स्थान भी है, जहां ऐसी सेवाओं के उपबंध के लिए कोई संविदा किसी अन्य अधिवक्ता या अधिवक्ताओं की किसी फर्म के माध्यम से की गई थी, में अवस्थित किसी कारबार अस्तित्व को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी न्यायालय, अधिकरण या प्राधिकरण के समक्ष प्रतिनिधित्व संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु या अधिवक्ताओं की किसी फर्म द्वारा किसी कारबार अस्तित्व को विधिक सेवाओं के माध्यम से उपलब्ध कराई गई सेवाएं ।</p>	<p>कोई व्यष्टिक अधिवक्ता या अधिवक्ताओं की फर्म</p>	<p>कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई कारबार अस्तित्व ।</p>
3	<p>किसी माध्यस्थम् अधिकरण द्वारा किसी कारबार अस्तित्व को पूर्णतः सेवाएं ।</p>	<p>कोई माध्यस्थम् अधिकरण</p>	<p>कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई कारबार अस्तित्व ।</p>
4	<p>किसी भी निगमित निकाय या भागीदारी फर्म को प्रायोजितता के रूप में दी गई सेवाएं ।</p>	<p>कोई भी व्यक्ति</p>	<p>कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई निगमित निकाय या भागीदारी फर्म ।</p>
5	<p>किसी कारबार अस्तित्व को केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार, संघ राज्यक्षेत्र या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा पूर्णतः सेवाएं, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित नहीं हैं,-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) स्थावर संपत्ति को किराए पर देना ; और</li> <li>(2) नीचे विनिर्दिष्ट सेवाएं-             <ol style="list-style-type: none"> <li>(i) स्पीड पोस्ट, एक्सप्रेस पार्सल पोस्ट, जीवन बीमा और अभिकरण सेवाओं के रूप में डाक विभाग द्वारा केंद्रीय</li> </ol> </li> </ol>	<p>केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार, संघ राज्यक्षेत्र या स्थानीय प्राधिकरण</p>	<p>कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई कारबार अस्तित्व ।</p>

	सरकार, राज्य सरकार, संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से भिन्न किसी व्यक्ति को दी गई सेवाएं ; (ii) किसी पत्तन या किसी विमानपत्तन की प्रसीमाओं के भीतर या बाहर किसी वायुयान या जलयान के संबंध में सेवाएं ; (iii) माल या यात्रियों का परिवहन ।		
6	किसी कंपनी या किसी निगमित निकाय के निदेशक द्वारा उक्त कंपनी या निगमित निकाय को पूर्णित सेवाएं ।	किसी कंपनी या किसी निगमित निकाय का कोई निदेशक	कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई कंपनी या निगमित निकाय ।
7	किसी बीमा अभिकर्ता द्वारा बीमा कारबार करने वाले किसी व्यक्ति को पूर्णित सेवाएं ।	कोई बीमा अभिकर्ता	कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई व्यक्ति, जो बीमा कारबार कर रहा है ।
8	किसी वसूली अभिकर्ता द्वारा किसी बैंककारी कंपनी या किसी वित्तीय संस्था या किसी गैर-बैंककारी वित्तीय कंपनी को पूर्णित सेवाएं ।	कोई वसूली अभिकर्ता	कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई बैंककारी कंपनी या वित्तीय संस्था या गैर-बैंककारी वित्तीय कंपनी ।
9	किसी लेखक, संगीतकार, फोटोग्राफर, कलाकार और उसी प्रकार के अन्य द्वारा प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 13 की उपधारा (1) के खंड (क) के अंतर्गत आने वाले मूल साहित्यिक, नाट्य, संगीत संबंधी या कला संबंधी कार्यों से संबंधित प्रतिलिप्यधिकार का किसी प्रकाशक, संगीत कंपनी, निर्माता और उसी	लेखक, संगीतकार, फोटोग्राफर, कलाकार और उसी प्रकार के अन्य	कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित कोई प्रकाशक, संगीत कंपनी, निर्माता और उसी प्रकार के अन्य ।

	प्रकार के अन्य द्वारा उपयोग या उपभोग का अंतरण करने या उसकी अनुज्ञा देने के रूप में सेवाओं की पूर्ति ।		
--	---	--	--

व्याख्या-इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,--

- (क) कोई व्यक्ति, जो कराधेय राज्यक्षेत्र में स्थित माल वाहक सड़क द्वारा मालों के परिवहन के लिए किराए का भुगतान करता है या माल किराए का भुगतान करने का दायी है, ऐसा व्यक्ति समझा जाएगा, जो इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए सेवा प्राप्त करता है ।
- (ख) "निगमित निकाय" का वही अर्थ है, जो इसे कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 2 के खंड (11) में दिया गया है ।
- (ग) कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित ऐसे किसी कारबार अस्तित्व को, जो मुकदमेबाज, आवेदक या याची, जैसी भी स्थिति हो, है ऐसे व्यक्ति के रूप में माना जाएगा, जो इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए विधिक सेवाएं प्राप्त करता है ।
- (घ) इस अधिसूचना में प्रयुक्त और अपरिभाषित, किंतु हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19), एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम और संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे जो उन्हें इन अधिनियमों में क्रमशः दिए गए हैं ।

2. यह अधिसूचना जुलाई, 2017 के प्रथम दिन से प्रवृत्त होगी ।

संजीव कौशल

अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,  
आबकारी तथा कराधान विभाग ।

**HARYANA GOVERNMENT**  
**EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT**  
**NOTIFICATION**

The 30<sup>th</sup> June, 2017

No:48/ST-2 – In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 9 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), the Governor of Haryana on the recommendations of the Council hereby notifies that on categories of supply of services mentioned in column (2) of the Table below, supplied by a person as specified in column (3) of the said Table, the whole of State tax leviable under section 9 of the said Haryana Goods and Services Tax Act, 2017, shall be paid on reverse charge basis by the recipient of the such services as specified in column (4) of the said Table, namely:-

**Table**

Sl. No.	Category of Supply of Services	Supplier of service	Recipient of Service
(1)	(2)	(3)	(4)
1	Supply of Services by a goods transport agency (GTA) in respect of transportation of goods by road to- (a) any factory registered under or governed by the Factories Act, 1948(63 of 1948);or (b) any society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or under any other law for the time being in force in any part of India; or (c) any co-operative society established by or under any law; or (d) any person registered under the Central Goods and Services Tax Act or the Integrated Goods and Services Tax Act or the State Goods and Services Tax Act or the Union Territory Goods and Services Tax Act; or	Goods Transport Agency (GTA)	(a) Any factory registered under or governed by the Factories Act, 1948(63 of 1948); or (b) any society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or under any other law for the time being in force in any part of India; or (c) any co-operative society established by or under any law; or (d) any person registered under the Central Goods and Services Tax Act or the Integrated Goods and Services Tax Act or the State Goods and Services Tax Act or the Union Territory Goods and Services Tax Act; or (e) any body corporate established, by or under any law; or (f) any partnership firm whether registered or not under any law

	(e) any body corporate established, by or under any law; or (f) any partnership firm whether registered or not under any law including association of persons; or (g) any casual taxable person.		including association of persons; or (g) any casual taxable person; located in the taxable territory.
2	Services supplied by an individual advocate including a senior advocate by way of representational services before any court, tribunal or authority, directly or indirectly, to any business entity located in the taxable territory, including where contract for provision of such service has been entered through another advocate or a firm of advocates, or by a firm of advocates, by way of legal services, to a business entity.	An individual advocate including a senior advocate or firm of advocates.	Any business entity located in the taxable territory.
3	Services supplied by an arbitral tribunal to a business entity.	An arbitral tribunal.	Any business entity located in the taxable territory.
4	Services provided by way of sponsorship to any body corporate or partnership firm.	Any person	Any body corporate or partnership firm located in the taxable territory.
5	Services supplied by the Central Government, State Government, Union territory or local authority to a business entity excluding, - (1) renting of immovable property, and (2) services specified below- (i) services by the Department of Posts by way of speed post, express parcel post, life insurance, and agency services provided to a person other than Central Government, State Government or Union territory or local authority; (ii) services in relation to an aircraft or a vessel, inside or	Central Government, State Government, Union territory or local authority	Any business entity located in the taxable territory.

	outside the precincts of a port or an airport; (iii) transport of goods or passengers.		
6	Services supplied by a director of a company or a body corporate to the said company or the body corporate.	A director of a company or a body corporate	The company or a body corporate located in the taxable territory.
7	Services supplied by an insurance agent to any person carrying on insurance business.	An insurance agent	Any person carrying on insurance business, located in the taxable territory.
8	Services supplied by a recovery agent to a banking company or a financial institution or a non-banking financial company.	A recovery agent	A banking company or a financial institution or a non-banking financial company, located in the taxable territory.
9	Supply of services by an author, music composer, photographer, artist or the like by way of transfer or permitting the use or enjoyment of a copyright covered under clause (a) of sub-section (1) of section 13 of the Copyright Act, 1957 relating to original literary, dramatic, musical or artistic works to a publisher, music company, producer or the like.	Author or music composer, photographer, artist, or the like	Publisher, music company, producer or the like, located in the taxable territory.

Explanation.- For purpose of this notification,-

(a) The person who pays or is liable to pay freight for the transportation of goods by road in goods carriage, located in the taxable territory shall be treated as the person who receives the service for the purpose of this notification.

(b) "Body Corporate" has the same meaning as assigned to it in clause (11) of section 2 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013).

(c) the business entity located in the taxable territory who is litigant, applicant or petitioner, as the case may be, shall be treated as the person who receives the legal services for the purpose of this notification.



(d) the words and expressions used and not defined in this notification but defined in the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), the Integrated Goods and Services Tax Act, and the Union Territory Goods and Services Tax Act shall have the same meanings as assigned to them in those Acts.

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of July, 2017.

SANJEEV KAUSHAL,  
Additional Chief Secretary to Government, Haryana,  
Excise and Taxation Department.

55451-C.S.-H.G.P., Chd.